अरे अभिमानी | By Priyanka Swami |

माटी में मिले माटी
पानी में पानी
अरे अभिमानी अरे अभिमानी
पानी के बुलबुले जैसे
तेरी जिंदगानी
अरे अभिमानी अरे अभिमानी

भाई बंदे तेरे काम ना आवे
कुटुंब कबीला तेरे साथ ना जावे
संग ना चलेंगे तेरे कोई भी प्राणी
अरे अभिमानी अरे अभिमानी

रही ना निशानी राजा वजीरों की
एक-एक ठाठ जिनके लाख-लाख हीरों की
ढाई गज कपड़ा या डोली पड़ेगी उठानी
अरे अभिमानी अरे अभिमानी

खाना और पीना तो पशुओं का काम है
दो घड़ी ना सत्संग किया करता अभिमान है
बीती जाए यूँ ही तेरी जिंदगानी
अरे अभिमानी

माटी में मिले माटी
पानी में पानी
अरे अभिमानी अरे अभिमानी
पानी के बुलबुले जैसे
तेरी जिंदगानी
अरे अभिमानी अरे अभिमानी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%85%e0%a4%ad%e0%a4%bf%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-by-priyanka-swami/